





नमिक्कन भक्तमिडं ॥ नतः परतगविष्ट नतः पर  
तगभुतिः ॥ नतः परतीभत्तुतीडं नतः परंपरभा ॥  
उपतुः उतपत्तुतावकुविप्रणिडः ॥ एकठ वं  
भक्तनिटुं यज्ञयतिभदेसुगीभा ॥ म्वतनं म्वतय  
शक्तुं दमप्रणिड ॥ कृत्यक्तवरक्तलेकेभक्तनं







गणपतमहोत्सवकर्मफलभूमि ॥ विषयस्तुमेदम  
 निचिमेषाणिउच्यते ॥ विप्रुपासिमन्त्रपदंशु  
 रंतिनी ॥ निचिकणमनिचैरविगतिभट्टवचिनी ॥ ५  
 कथास्तुनित्यमकृतिः केवलमुद्ययिनी ॥ विविक्तमवि  
 नीष्टल्लणयिशीवद्रुतिः ॥ निगीदममममुक्ता

क.  
 म.  
 ३१



मभुतु निपिउ पमभालिगु ममिल सुमिः॥ भुतिभंभु  
गुपमभुभंभुग मभंभुति॥ भुतुममठ धमग  
वागीतिपूदीलिक॥ उरुमपिङ्गलपिङ्गभुभुभु  
दवदिनी॥ ममिभुवमडलभु ककिनीभुतणीवि  
नी॥ भुतुपधुदरुपालभुतुपभुभुग॥ भुव

६०  
३७

भल्लेभस ॥ नलिउं भंभल उव्वी वेरु वेरु न प रि ॥  
नर भक्त नभउं मनर भु भि कु प ॥ ३ ॥ सुप्रज्ञीरु  
गडिमागीम गिक सुक ठ धि ॥ ॥ माभुगीग ननीवि  
मुवरु नीवरु ॥ ३ ॥ मिता ॥ वरु नीउ नुदभु मंवेरु  
उवभरु ॥ भीनभुतिपर भुवु वरु ह ॥ ३ ॥ तिभ सुय ॥



श्रीरुठिनरिनी ॥ उचमीकमलीकैकविमिरामिपि  
 वडिनी ॥ पड्डरुणरिनीपड्डरुणरिनी ॥ ल  
 रुश्रिकरलरुलरुमसुठलरु ॥ वडिनीभुप  
 वमरुपगिरामपनिचडिः ॥ रुकगवनयवला  
 भदरुमभदेरु ॥ पेधिरुमेधिरुमडिरीरुकेमी

ठ.  
म.  
३५

मिगिम ॥ सुदुतिगदङ्गरालभायवलिप्रि  
य ॥ भूक्नुवभंभिपेनीमभसुङ्कुसुङ्कुमेवत ॥ भा  
उभउभदीइप्रिःपिउभउपिउभदी ॥ भुधमे  
दिइलीपडीपीडीनडीमिसुप्रिया ॥ भुनरभुनण  
रमविमुयेनिःभुनरूयी ॥ मिसुङ्कुङ्कुणमेलमेल

मयाण ॥ पंक्तुपिउवडीयुक्तिपङ्क्तुनविठेपिनी ॥  
उडमडीकभवडीरदिः प्रभुवलीहृदभा ॥ गणः सु  
रूपा मित्रिलगयगठुणरिनी ॥ इकलल्लइलि  
झमभुतिदिपरभुनी ॥ मगगामिवडहमकभउ  
इरगगिनी ॥ प्रभुवमीभडीमीदिगुमीमीदिपि



ककुत नं ठवभगगड रिनी ॥ मरुगमशुदवडी विग  
 दशुदवलिउ ॥ रेदिनी कुभिगठमकलकुः कलव  
 डिनी ॥ कलकुगदिउ नगीमउधुठिणवडी ॥ एनील  
 मणीलवभुमउउ ननववल्लठ ॥ मरएमुगडिपी  
 डीगडिगमविवचिनी ॥ पडुवाउगडिठिन पडुल्लम

ठ.  
 म.  
 ३५

३मयीविष्टमचमडुमगवलिः॥ मपुश्वश्ववती  
महमगीमगलक॥ मडुमडुलमपुमडुम  
डुलवामिनी॥ उमगएननीरुगभमापीपुगन  
मिनी॥ सुतीडाविष्टमचमडुविनीप्रीतिमपुगी॥  
मचमेपुवतीयुतिगडुगपरि॥ उमिनी॥ विपनंप

चमभुवडीविष्टभभुतिचमवमिनी॥ मूडिःमूडिण  
 गहृष्टमूष्टपाडालवमिनी॥ भीमंभउकविष्ट  
 मभुक्तिठकुचङ्गल॥ भुनठिदउनएडिजभूग  
 ठववलिता॥ नगपमणभुतिगाएनगकुड  
 ल॥ भुमरुमरुमएभुमरुके॥ विवमिनी॥ भवम

ठ.  
 म.  
 ३३



सभप्रपिस्तुभप्रवभुडगीयक ॥ इरभनगतिरु  
रुभमिरभेनगारिनी ॥ पानकुमिपानपाइपान  
मनकैरेडुड ॥ सुप्रलरुनेइमकिद्विमहउ  
ठधिनी ॥ सुमप्रलममीरुममीरुमीक्रिउप्रणि  
ड ॥ नगवल्लीनगकहठेगिनीठेगवल्लठ ॥ भ

नी॥ भद्रिकी भद्रभंभुमगराभीमररीरुड॥ डभ  
 भीमउभेयुऊपु॥ इयविठविनी॥ मृहऊहऊऊपम  
 वेरुविष्टममभुवी॥ मङ्गरकलिनीकल्पभनःभ  
 इन्दभनुतिः॥ भवनेकभयीमडिभचमूव॥ गीम  
 ग॥ भचल्लनवडीवाडुभचउडवरेपिनी॥ एगडी

६०  
 भ०  
 ३३

भिनी ॥ केमकी उऊम वडु केम भुी केम वचिनी ॥  
 केम मपम केम क्री ऊम ऊम भिष्य ॥ उडलम  
 डल केदिः केदि भु केदि मय ॥ भय भु भु भु पम भु प भु प वचिनी ॥  
 वलम वलम यिनी ॥ भद केमी भद वडु वडिः भ <sup>उल भिनी भिनी म</sup>  
 मभम भिक ॥ भद भद भद भु विमेक मेक न मि



८०  
५०

ॐ नमः ॥ प्रलम्बभूषणीष्टुभाभिः तष्टुष्टुभक्तुल ॥  
भवीमन्तेपनीलोपभूलोष्टुलोपकप्रिया ॥ मङ्गिनी  
मङ्गदभुमणलभुणनम्वडा ॥ ऊमन्तेष्टुवनिःक  
मीभवृगकष्टुवतिक ॥ मृष्टेष्टुष्टुगिकभायागी  
गीकगप्रिया ॥ इष्टुष्टुगप्रमयामकेमभुकेमव

कालममनन॥ कालविकालमथैरथैर  
नदिनी॥ गङ्गादेवकेसीमवतु कतुभमाद॥ क  
मभुगीपलभमकम्मीगीतुतुभशिय॥ कातिवदभ  
वलमगतिवदभवलम॥ भान्तिनीवगरीदभतु  
भान्तिनी॥ दिभदंभगतिदंभीदंभीदुलमि



ममिड ॥ मिडि...मिडिभयमविमिडिठवनेश्वरी ॥ मभ  
 कभम दभुममभमभवपेडुड ॥ मभभुकभसीप्रल  
 नवभीममडभसी ॥ मभकलमदभुमप्रलकुभुपयि  
 डुरा ॥ मठीमठैरवीठीगठीमभिश्रुठैरवी ॥ भदभ  
 मभमिमीमभदठैरवप्रणिडा ॥ निभुभदभुनीमभ

ठ.  
 म.  
 ३.



मंभणभणभमसालिनी॥ भिठगुरुयिनीहुँसुभठग  
हुडिवचिनी॥ श्रीःहुडिवभनमैवकङ्कलीकलनमि  
ने॥ गङ्गावीणवपेद्रुभुभुतुःगीणभनुतिः॥ एगल्ली  
वणगङ्गीएणगइयदिउधिनी॥ मभीकरुमिसुङ्गी  
भात्रयधेमुमीकल॥ यउद्रुमवउद्रुमयत्रिनीएन

भणकमदिवनढलमयिनी॥ एम्पणनमसैकक  
भममेक्रमदुतिः॥ भक्तिमीक्रममक्राम्मएकेदि  
उपिनी॥ रुडकट्टयनीभुष्टभुमुक्रमकविप्रिया॥  
भट्टगमठदिभुमकट्टमत्रिःकविइम॥ मेवपडी  
भडीभाडमेवकठगिनीउमिडा॥ मेमभिनीभुमभा

五十四

भिनी ॥ वाममागप्रियडधिल्लेपममू प्रवेणिनी ॥ कु  
डाङ्गपरमाङ्गमकुउठविविठविनी ॥ मङ्गलामभुमी  
लमपरमाङ्गप्रवेणिक ॥ मङ्गि ॥ मङ्गि ॥ मुतिः मरु  
ङ्गि ॥ दरिप्रय ॥ योगिनीयोगयुक्तमयोगाङ्गएनमलि  
नी ॥ योगपङ्कणमङ्गमङ्ग ॥ परमागतिः ॥ नमिंदी



कभकुपिनी ॥ सुप्रमिद्विपुत्रैरुदपुत्रनवथा  
 डिनी ॥ सुनानिनिपनापुष्टिमुद्राद्रुमउद्राणी ॥ मउ  
 भममसयनामउचनठलपुत्र ॥ कसपथपुत्री  
 कसमरकुभरुलेमन ॥ कुतठवठविष्टाममैलर  
 मैलवामिनी ॥ वममजरडावमामिचवममव

ठ.  
 म  
 ७३

निमागरी॥ ककिनीमाकिनीमिष्टाककिनीमरूव  
किनी॥ मिडमिडप्रियाभुल्लभकलावनरुवडा॥  
गुरुउपपरागुचीमरुभगीविषागुरु॥ भदभागी  
विनिदुमउरुभरुविनासिनी॥ मरुभरुलभरुम  
मरुभरुलवभिनी॥ मुलिभरुगुलिपेडाभुभद

मक्रय ॥ विष्णु भट्ट प्रिय ५९९ लेक सीम भरे उभा ॥  
 भुविषा दुलिनी दुला विष भेद दिन मिनी ॥ विषा  
 रित्रा गम मनी ऊरु कुल भते दुव ॥ ऊ डि छी डि दग  
 हूक ऊ उ वेम विन मिनी ॥ रंके श्रीर क्रभीर डि मी  
 अनिदू मित्र गतिः ॥ मद्रिक मद्रिक तिस्र भदक ति

४०  
 म  
 ०१



प्रउनमडिलेडभा ॥ लहरभवडीवहूठवनीपाप  
नगमिनी ॥ पडभुरणगीडिःभगीडिलुनलेमन ॥  
भभभभभयीडडीधहूमममवडा ॥ भुळनगूममं  
भुमभुळभुभनवमिनी ॥ भुळभुळमिनीभुडभु  
डभनविमिनी ॥ गीडनडधियकमडभिरुभुधु

五

महिषी नृपमातृ मनुमातृ नृपनमिनी ॥ नृपपद्म  
मयी पद्म पद्म विवर्तिनी ॥ मंडचल मयी भ्रुवि  
चलैः सुप्रसिद्धा ॥ भवपद्म मयी भिद्रि सुउग सुभवमि  
नी ॥ शुक्राक्षी क्रुडिनी वैष्णु सुहृद्मावल वलर ॥ वै  
मम जगताय ह वै विष्णु विठ विनी ॥ सुभुसुभ



चिनी ॥ सकरमडकरमडकरैकरडुपिनी ॥ ह्रीं क  
 गीनी एडुपमल्लीकरभुगवभिनी ॥ भवभ्रमभयी  
 भुतिरभ्रगवलभालिनी ॥ भिद्रुगमवलमभिद्रु  
 गडिलकभिय ॥ वसुमवसुगीएमलेकवसुविठ  
 विनी ॥ नपवसुनपैः मेहानपवसुकगीभिय ॥

०५

वन्नीवन्निभुडकरकरवन्नुविभेमनी॥ मन्निनाप  
लढविष्टुम्भुवरन्नुविभेमनी॥ मन्धिकभुलिक  
मभुभन्नाभपुणनामिड॥ कैलिकीकुलविष्टु  
मभकुलकुलप्रणिड॥ कलमन्नुम्भुहन्नुविष्टु  
हमनमिनी॥ वाटलीमैपमलमभुवन्निभुव

उपः प्रिय ॥ भपुण्डमयी भुति भपुण्डरुग मय ॥  
 मन्दप्रभित्तनः प्रभित्तनः प्रभित्तनः प्रभित्तनः ॥ अथ च  
 मुमाता मम हसतिः प्रवेष्टिनी ॥ वैकुण्ठमिह  
 मम प्रभुते गवामिनी ॥ भगवत् भगवत् भगवत् भगवत्  
 इह गले मय ॥ वगुगवत्तुप मवणुप वपेष्टु ॥

४०  
 म०  
 ०५





भुलणगनिगकगवदितु, कहुडालय ॥ वायुज  
 कभापभीननिगणगविगमूय ॥ सुभेसुभग  
 डिल्लीवणुदिनीमरुभंसूय ॥ वल्लीडुनुमभकु  
 नधरुभभुमलेलप ॥ उपशिनीउपःमिद्विःउ  
 ॥ पममिद्विमयिनी ॥ उपेनिषुउपेयुऊउपभीम

कपालकुण्डलमीडमिवसुतीधनपुनि : ॥ मि  
 द्विमावद्विमानिहभट्टभानपरेषिनी ॥ कथ  
 ग्रीववभमतीसुइसुयकुडालय ॥ एगस  
 कृतकुलिनीकुणगकरमायिनी ॥ प्रेल्लभ  
 सुपुपदम ॥ नठिनलभकुलिनी ॥ ॥

७.  
 ५.  
 ०३

कभगीणवडीभट्टभट्टपद्मपाय॥ कुलमाजभि  
उभम्माभम्मावृद्धिपूर्वेणिनी॥ धर्मे॥ अमरिक्के॥  
दिनेइइपरभम्मागी॥ कथंभियकथंभुम्माभदिष  
भग्याडिनी॥ भम्मावृद्धिमाजीपुम्मापुपावकभ  
विठ॥ कपालकुय॥ कलीकपालमालुगिनी॥



ॐ  
ॐ  
ॐ

वभुणवभुणगमलयमकभुगीमिव॥ विरुणयमला  
यतुमीमभुभ्रिनीमइनमिनी॥ मनुचद्रीवैममतिचरम  
वरणीनी॥ मीडलमभुमीलमरालगुदविन  
मिनी॥ कैभागीमभुपचमकभाष्टकभचद्विडा॥  
॥ एलकुरणननुकभनुपनिवमिनी॥ ॥

यभुगन्नमभयज्ञमभनेगतिः॥ भगवठिगुगभी  
 मकदुग्भीमपारि॥ पद्मयेनिःशुकेसीमभुलिङ्ग  
 ठगदुधि॥ येनिभुम्भदभुम्भदपिसगीपगगभिनी॥  
 मपुशीम्भ<sup>वी</sup>पुल्लीमपुमत्तुभमेदुत्त॥ मउनीमुकदत्त  
 मपुपुवल्मसपि॥ रक्तभुगणभीवगक्तुपुपु

००  
 ५०  
 ००

भूमिडाभभापीकभभुनभुतिगीसुगी॥ सुएमरद्रव  
लमभमपकुभुवतिनी॥ गऊनीलभिताभुभाकुपु  
पीडामकवुरा॥ मणभुपुएगकडुडरनीकर  
नरा॥ कलकभभुद्रुडमनिमिधकलकुपिनी॥  
भवलरभननभामकःभुचवडीरभा॥ गवुपि



三

भरी पतिव्रता भाषी भूमकः कुलवामिनी ॥ एकमकः  
भरु भूमी भूमि रुगमालिनी ॥ भन सुमि पता कम  
भरु दय दूक द्विनी ॥ पता किनी मयार भु विपल्ली प  
ल्लमभिया ॥ परा पर कल कतु इम डि म्मे कल यि  
नी ॥ तद्दी भाद सगी रुनी के भारी कुलवामिनी ॥

क्रियावती ॥ भद्रुतिभुति ॥ श्रीसूक्तभद्रुतिः भद्रुय ॥  
 भिन्नप्रकृतिगीगङ्गायभुतासभरभुती ॥ गैरवगी  
 विषमसकवगीसमउद्गम ॥ भद्रुयसूक्तगाम  
 कौमिकीगङ्गाकीसुमिः ॥ नम्रकम् ॥ समसमैव  
 हृष्येविक ॥ वैश्वतीविभुयवगमनरवदन ॥ ॥ ॥

४०  
 भ०  
 ७



कमलमयनकेपनकुतिः ॥ सत्तविदुषाणाविमुभा  
कलवती ॥ पद्मवतीभवभूमपुत्रद्वयमभयभुमी ॥ ऊ  
दभनरागद्वयीशुभमउलिनिसुगी ॥ लिनमउरि  
नेद्वयमभयद्वयभवदन ॥ गणनक्षत्रीवधकृष्ण  
पदकृष्णपद्मिक ॥ गणनीतिभूयीवद्वयद्वयीति :

दमभचभेठगुवचिनी॥भङ्गुचिनीनगभिंदीवैष्णु  
 वीसभदेसगी॥कटुचिनीसमभमचमभडिक  
 रिनी॥नगयनीभदनिद्रुसैगनिद्रु२ठवडी॥२  
 लुपमभिद्रु२लुडगभपुमडीभपु॥कीगलवधुण  
 दगकलिकभिंदवदन॥चिकगवधुण॥॥

६०  
 म.  
 ३

भूगोशमहोतिः कुभरुदभिनी ॥ दत्तभादल्लुठविष्ट  
 भुजतिः परवभिनी ॥ सुपलसभुगीभर्यभरिभा  
 ददभिनी ॥ कुलवगीसुगीविष्टविष्टक्लिवाकुमैर  
 गी ॥ कभसुगीमनीलमठीरुदवद्विवाभिनी ॥ लभे  
 मगीभदकलीविष्टविष्टसुगीडव ॥ नगीसुगीमभ



दिग्गजचक्रिनीनक्षत्रभुवनक्षत्रवर्द्धिता ॥ यल्लुविष्टमदम  
यवेष्टमभुवनपतिः ॥ श्रीगिरिपुत्रश्रमिष्टमभुवन  
नीविष्टमभुवन ॥ मिष्टविष्टमदमपतिः पञ्चीनक्षत्र  
भुवनपति ॥ भुवनपतिपुत्रकक्षत्रमभुवनपक्षलेखन ॥  
भुवनपतिभुवनपतिपुत्रकक्षत्रमभुवनपक्षलेखन ॥ सुलभापी

ठः  
मः  
१

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri



रुक्मिणी  
सुगंध  
न एव

सुनयन  
मम  
रुक्मिणी  
रुक्मिणी  
रुक्मिणी

देवता ॥ मरुपुत्रः ॥ श्रीठवनी श्रीरुक्मिणी ॥ भक्तकर्म  
भिरुक्मिणी ॥ पठे विविधैः ॥ मरुपुत्रः ॥ विरुक्मिणी  
मरुक्मिणी मरुपुत्रः ॥ रुक्मिणी मरुपुत्रः ॥ पमरुक्मिणी  
पमरुक्मिणी मरुपुत्रः ॥ विरुक्मिणी मरुपुत्रः ॥  
रुक्मिणी मरुपुत्रः ॥ पमरुक्मिणी मरुपुत्रः ॥

रुक्मिणी





पिसाभृउ ॥ श्रीठगवत्रवम ॥ मरनद्विद्वदठगभुवग  
 एमिमभुठमा ॥ मरुभैत्रमठिठिहैः मिद्रुमंभुपेभैत्र  
 ममा ॥ सुमिठिः श्रुतद्वुयपभिहंभमादिउः ॥ शिकलं  
 सुद्रययुत्रैत्रुतः परउभुवः ॥ विमभृम्रीठवनीनभम  
 दभृभृ ॥ श्रीमदमवपिमीभृमृमृतिः ॥ ठगवतीठवनी

सुवगभृमृ  
 सुवगभृमृ

किंमभनगुदकरिनीमा ॥ उइकैपरउंमेवंगरागुमं  
 विहृमा ॥ २ ॥ भूमिरभननीरिवारापरमेसुगमा ॥ श्रीन  
 निकेसुभवासा ॥ विठगवनेवमेवमलेकनषणगमुते ॥  
 ठजेभितवमभेभिप्रभातःरियउंमयि ॥ मेष्टःभुवभि  
 मंपुष्टंनलठंयदुगपि ॥ मूडभिसुभुदंमेवप्रठवम

ठ.  
 म.  
 ५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
यथा भगवत्पुत्रोऽयं भगवत्पुत्रोऽयं भगवत्पुत्रोऽयं ॥ भगवत्पुत्रोऽयं  
भगवत्पुत्रोऽयं भगवत्पुत्रोऽयं भगवत्पुत्रोऽयं ॥ भगवत्पुत्रोऽयं  
भगवत्पुत्रोऽयं भगवत्पुत्रोऽयं भगवत्पुत्रोऽयं ॥ भगवत्पुत्रोऽयं  
भगवत्पुत्रोऽयं भगवत्पुत्रोऽयं भगवत्पुत्रोऽयं ॥ भगवत्पुत्रोऽयं  
भगवत्पुत्रोऽयं भगवत्पुत्रोऽयं भगवत्पुत्रोऽयं ॥ भगवत्पुत्रोऽयं



रंमणदते॥ उयैउरुलुतेभचंउभुमेवपुलीयते॥ स  
 सितापुल्लतापुताभचठवविनिस्त्रितैः॥ सुगणितभु  
 ताभैवभचमिद्विपुल्लयिनी॥ उभुमनगुदमेवतामे  
 वभुतवनदभा॥ भदभैवमठिद्विहैभैलेद्विपुल्ल  
 प्रणितैः॥ भुवेननेनभतुभुममेवपुविचमभा॥

८.  
 म.  
 ८

ॐ भवैषिष्टायिनीमुठ ॥ उच्छुतिपरममक्ति, कर्मभील  
उत्तपैरमा ॥ उतेव निडि विष्टुतामक्तिः सव्यभयीपरा ॥  
प्रदराभीष्टगतावेष्टमतामरभुती ॥ इक्ष्मीमवे  
ल्लवीगैक्ष्मीमगीपाचमीमिव ॥ भिक्षुमविक्षुम  
मात्रुमचमल्लमयिनी ॥ उयैउक्ष्मिष्टुविमुभवप

五十四



विम्विवेवणगत्रासमंसयेसुभदमम ॥ गदभुमेकभित्तु  
मिप्रसुंइंठकुवद्वलभा ॥ म्विडायभुयकभुःभेइ  
भेउद्विवानिमभा ॥ पष्टुविगंनसदुतःकिमपरः  
परः ॥ उतिपमसुममेवेनकिनेनणगदुमः ॥ भेव  
मठगवत्रेकेविकभत्रेइपदुलः ॥ श्रीठगवत्रवम ॥